MYcÖRvZš¿x evsjv‡`k miKvi

Dc‡Rjv mgevq Kvh©vjq

Mvsbx, †g‡nicyi|

¯§viK bs: 47.61.5747.000.40.006.17- 170 ZvwiL 19 /08/2018 wLªt|

‡cÖiKt Dc‡Rjv mgevq Awdmvi

Mvsbx, †g‡nicyi|

cÖvcKt ‡Rjv mgevq Awdmvi

†g‡nicyi|

welqt B‡bv‡fkb msµvšÍ nvjbvMv` Z\_¨ †cÖiY cÖm‡½|

m~Ît hyM¥-wbeÜK, wefvMxq mgevq Kvh©vjq,Lyjbv g‡nv`‡qi Kvh©¨vj‡qi 20/03/2019 wLªt Zvwi‡Li 102 bs ¯§viK |

g‡nv`q,

Dc©hy³ welq I my‡Îi †cÖwÿ‡Z Avcbvi m`q AeMwZ I cÖ‡qvRbxq e¨e¯’v MÖn‡Yi Rb¨ Dc‡Rjv mgevq Awdm, Mvsbx, †g‡nicyi Gi B‡bv‡fkb msµvšÍ nvjbvMv` Z\_¨ †cÖwiZ QK †gvZv‡eK c~ib c~e©K AÎmv\_ †cÖiY Kiv n‡jv|

mshy³t eY©bv g‡Z-02 cvZv

Avcbvi AbyMZ

**(wgjb Kzgvi `vk)**

Dc‡Rjv mgevq Awdmvi

Mvsbx, †g‡nicyi|

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| D™¢ve‡bi bvg | D™¢ve‡Ki bvg,wVKvbv,c`ex,B‡gBj I †gvevBj | D™¢ve‡bi aiY (cvBjwUs/‡iwcø‡KwUs/ GmwcGm) | D™¢ve‡Ki cÖwkÿY MÖnY msµvšÍ (2w`b/3w`b/5w`b) | eZ©gvb AMÖMwZ cÖwZ‡e`b (mshy³ wba©vwiZ Q‡K,wba©vwiZ Q‡K,wbKm d‡›U mdU Kwc I wcwWGd Kwc) | wefv‡Mi †g›U‡ii bvg wVKvbv, c`ex B‡gBj I †gvevBj bs |
| mgevq mwgwZi gva¨‡g †e` m¤úª`v‡qi †UKmB Av\_© mvgvwRK Dbœqb| | wgjb Kzgvi `vk  Dc‡Rjv mgevq Awdmvi,Mvsbx, †g‡nicyi|  uco\_gangnimeherpur  @yahoo.com  মোবা-01715212574 |  |  |  |  |

উদ্ভাবনী উদ্যোগ/আইডিয়ার প্রণয়ন সংক্রান্ত ছক

|  |  |
| --- | --- |
| 01। D™¢vebx D‡`¨vM/AvBwWqvi bvg | সমবায় সমিতির মাধ্যমে নৃতাত্ত্বিক জনগোষ্ঠী(Avw`evmx) র ‡UKmB Av\_©- mvgvwRK Dbœqb |
| 02। AvBwWqv cÖ`vbKvix Kg©Pvixi bvg,c`ex I Kg©¯’j | মিলন কুমার দাশ  উপজেলা সমবায় অফিসার, গাংনী, মেহেরপুর। |
| 03| we`¨gvb †h c×wZ‡Z †mev cÖ`vb Kiv nq Zvi eY©bv | বর্তমানে বিভিন্ন দপ্তর থেকে বিচ্ছিন্নভাবে কিছু সেবা পায় কিন্তু সামগ্রিকভাবে তারা এখনো সেবা বঞ্চিত। |
| 04| we`¨gvb c×wZi mgm¨vi mswÿZ weeiY | * আমাদের সমাজে নৃ-তাত্বিক (আদিবাসী) জনগোষ্টী অবহেলিত ও উন্নয়ন বঞ্চিত। * সমাজের অধিকাংশ মানুষই তাদের প্রতি আন্তরিক নয়। * স্বল্প সংখ্যক নৃ-তাত্বিকজনগোষ্টীর লোকজন সুবিধা পাচ্ছে ব্যক্তিগতভাবে, সমবায় ভিত্তিক নয় ফলে তাদের টেকসইআর্থ সামাজিক উন্নয়ন হচ্ছেনা । * নৃ-তাত্বিক জনগোষ্ঠীর মানুষের মধ্যে সঞ্চয়ী মনোভাব নাই। * তারা সঠিক প্রশিক্ষণ ও তদারকীর অভাবে পুঁজিগঠন ও ব্যবহার্য উপকরণ সুবিধা হতে বঞ্চিত হচ্ছে। * তাদের উৎপাদনে অংশগ্রহণ নাই। বাজার সুবিধা নাই, ফলে Kg©ms¯’vb হচ্ছে না। * Kg©ms¯’vb না হওয়ায় বেকার সমস্যা রয়ে যাচ্ছে যা মধ্যম আয়ের বাংলাদেশ বির্নিমানে প্রতিবন্ধকতা। |
| 05| mgm¨v mgvav‡bi Dcvq/cÖ¯Ívebv | (K) Dc‡Rjv cwil`, mswkøó miKvix `ßi,‡emKvix ms¯’v I ¯’vbxq I mn‡hvMxZv wb‡q b„- ZvwË¡K (Avw`evmx) Rb‡Mvôx‡K mgevq Av‡›`j‡bDØy×Ki‡Yi gva¨‡g msMwVZ K‡i mgevq mwgwZ MVb|  (L) Zv‡`i Pvwn`v Ges m¤¢vebvi wfwË‡Z Drcv`b g~Lx I Avq ea©K Lv‡Z cÖwkÿY cÖ`vb|  (M) cuywR I Drcv`b‡hvM¨ DcKiY mieivn|  (N) Drcvw`Z cb¨ evRviRvZKi‡Yi e¨e¯’v MÖnY|  (O)wewfbœ miKvix,‡emiKvix `ßi †\_‡K b„-ZvwZ¡K Rb‡Mvôxi cÖvc¨ myweavw` cÖvwß wbwðZ Ki‡Y wjsKAvc ˆZix Kiv| |
| 06| cÖw¯ÍvweZ c×wZ | নৃ-তাত্ত্বিক জনগোষ্ঠী (আদিবাসী) চিহ্নিতকরণ  স্থানীয় কতৃপক্ষের সাথে মতবিনিময়  উপকারভোগী বাছাই  সমবায় সমিতি গঠন  আয়বধক প্রশিক্ষণ প্রদান  উৎপাদনযোগ্য উপকরণ সহযোগীতা প্রদান |
| 07| ev¯Íevq‡b cÖwZeÜKZv/SzuwK | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | ঝুঁকি | ঝুঁকিরউৎস | ঝুঁকিরধরণ (gravity) | | | ঝুঁকিরসম্ভাবনা (probability) | | | ঝুঁকিটিনিরসনকরাসম্ভবকিনা | | কিভাবেনিরসনকরাহবে | | উচ্চ | মধ্যম | নিম্ন | উচ্চ | মধ্যম | নিম্ন | হ্যাঁ | না | | নৃতাত্ত্বিক জনগোষ্ঠীর অনাগ্রহ | অসচেতনতা |  |  |  |  |  |  |  |  | উঠান বৈঠকের মাধ্যমে সচেতন করা | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |
| 08| cÖ¯Íve ev¯Íevq‡b cÖ‡qvRbxq ev‡RU I Bnvi Drm wK wn‡Z cv‡i Zvi eY©bv | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | প্রয়োজনীয় সম্পদ | | | কোথা হতে পাওয়া যাবে? | | খাত | বিবরণ | প্রয়োজনীয় অর্থ |  | | জনবল | ৪জন | - | নিজস্ব দপ্তর | | বস্তুগত | আয়বর্ধক উপকরন | ১,৮০,০০০ | উপজেলা পরিষদ/ সমবায় অধিদপ্তর | | অন্যান্য | আনুসঙ্গিক খরচ | ২০,০০০ | উপজেলা পরিষদ/ সমবায় অধিদপ্তর | | প্রয়োজনীয় মোট অর্থ | | ২,০০,০০০ |  | |
| 09| cÖ¯ÍvweZ D‡`¨vM/AvBwWqv ev¯Íevq‡bi d‡j  cÖZ¨vwkZ djvdj | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | |  | সময় | খরচ | যাতায়াত | | আইডিয়া বাস্তবায়নের আগে | - | - | - | | আইডিয়া বাস্তবায়নের পরে | - | - | - | | আইডিয়া বাস্তবায়নের ফলে সেবাগ্রহীতার প্রত্যাশিত বেনিফিট | - | - | - |   অন্যান্য সুবিধাঃ বর্তমান আইডিয়াটি বাস্তবায়িত হলে নৃ-তাত্ত্বিক (আদিবাসী) জনগোষ্ঠী সমবায় সমিতি গঠনের মাধ্যমে সংঠিত হবে। তাদের আয়বর্ধক প্রশিক্ষনের মাধ্যমে দক্ষতা বৃদ্ধি পাবে। ফলে প্রশিক্ষনলব্ধ জ্ঞান কাজে লাগিয়ে আত্ননির্ভরশীল হবে এবং তাদের টেকসই আর্থ-সামাজিক উন্নয়ন সাধিত হবে। |

(wgjb Kzgvi `vk)

Dc‡Rjv mgevq Awdmvi

Mvsbx, †g‡nicyi|